

फर्द अहकाम

चीसा लाग वनाम विरामपुर २५/१०

नाम न्यायालय

केस संख्या ६१/२०१९

पाउ

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	२९/१/२०	<p>शार्पी/वाडी का शायिका पत्र पत्राणी तागवी का चिवा हौगे पूर पत्राणी आण तागव की रीति वाडी रूपेय जिवरे शीचकपण डारिन्पता होकर शायिका-पत्र वाषा वाड विद्रा करणे का प्रकृत कर निवेउन किया अकि वाडी एवं शरिवाडीगण एक ही परिवार के सदस्य गिला. पुत्र है जिनके गदव शरीगण हो चुका है शिकवे वाडी वाड-पत्र ने शिकि कोट आधवाही नही पाइल है वाडी का वाड विद्रा किये गे को सुपा कये</p> <p>शार्पी/वाडी का शायिका पत्र एवं पत्राणी का शायिका किया गया वाडी का शायिका पत्र स्वीकार किया जाका है शायिका गला होल है अला शार्पी/वाडी का शायिका पत्र वाड विद्रा किये जागे का स्वीकार कर विद्रा किये जागे की अनुमति प्रदान की जाती है पत्राणी के साथ शायिका होकर इफे नम्बर से का है तथा शायिका दपतर है</p>

